



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. आप इस फूल को क्या नाम देना चाहेंगे?
3. अगर यह फूल बोलने लगा तो आप उससे क्या कहना चाहेंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा ?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

नाम है उसका कक्कू।
कक्कू माने कोयल होता
लेकिन यह तो दिनभर रोता
इसीलिए हम इसे चिढ़ाते
कहते इसको सक्कू
नाम है उसका कक्कू।



कोयल, माने मिसरी जैसी
मीठी जिसकी बोली
यह तो जाता भड़क, करो जब
इससे तनिक ठिठोली
इसीलिए तो कभी-कभी हम
कहते इसको भक्कू
नाम है उसका कक्कू।



कक्कू वह जो गाना गाए
बात-बात में जो चिढ़ जाए
रहता मुँह जो सदा फुलाए
गाना जिसको ज़रा न आए
ऐसे झगड़ालू को अब से
क्यों न कहें हम झक्कू
नाम है उसका कक्कू।

रमेशचंद्र शाह





सुनिए-बोलिए

1. लोग आपको किन-किन नामों से बुलाते हैं? आपको उनमें से कौनसा नाम पसंद है, क्यों?
2. आपको किसी नाम से कोई चिढ़ाता है तो कैसा लगता है? बताइए।



पढ़िए

1. कविता पढ़कर बताइए कि कक्कू के क्या-क्या नाम हैं?
2. कक्कू दिन भर क्या-क्या करता है?



लिखिए

1. कविता के आधार पर लिखिए कि कक्कू के नाम-झक्कू, भक्कू और सक्कू क्यों हैं?
2. कोयल की आवाज़ तुम्हें कैसी लगती है?
3. अपना नाम लिखिए और बताइए कि आपके नाम का क्या मतलब है?



शब्द भंडार

रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए।

1. रानी छोटी-छोटी बात पर मुँह फूला लेती है।
2. सुनीता को ठिठोली करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है।
3. रमेश छोटी-छोटी बात पर भड़क जाता है।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- अभी तक आपने कक्कू के बारे में पढ़ा। अब आप अपने बारे में लिखिए।



प्रशंसा

- हमें किसी को चिढ़ाना नहीं चाहिए। इस आधार पर कक्कू के बारे में दस वाक्य लिखिए।



भाषा की बात

- इस कविता में प्रयुक्त द्वाित्वाक्षरों की सूची बनाइए। जैसे : कक्कू
- पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लीजिए। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखिए।



वर्णमाला याद है न? चलो, अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

.....



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		





गेंद का मन



राजेन्द्र धोड़पकर